सभाविलास ।

जिस्में

शृङ्गार, नीति और शान्तरस के अनेक उत्तमोत्तम संग्रह दिये हैं ।

जिसे

भारतजीवनसम्पादक बाबू रामकृष्ण वर्म्मा ने सर्वसाधारण के चित्त-विनोदार्थ प्रकाश किया ।

काशी ।

भारतजीवन यन्त्रालय में मुद्रित हुआ ।

सम्बत् १९५६ ।